ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 21-09-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-09-21 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-09-22	2021-09-23	2021-09-24	2021-09-25	2021-09-26
वर्षा (मिमी)	10.0	15.0	12.0	12.0	4.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	32.0	31.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	28.0	24.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	68	76	72	67	62
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	41	47	48	46	38
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	15.0	10.0	7.0	6.0	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	224	188	220	102	133
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	8	7	6	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में बादल छायें रहने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 31.0 से 34.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24.0 से 28.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

तारामीरा की बुवाई का उचित समय 15 अक्टूबर तक है अतः खाली खेत में उचित नमी की अवस्था में तारामीरा की बुवाई हेतू बीज की व्यवस्था करें तथा उन्नत किस्म जैसे आर.टी.एम.-314 बुवाई के लिए उपयुक्त है। एक हैक्टेयर के लिए 5 किलो बीज पर्याप्त होता है।

लघु संदेश सलाहकार:

वर्षा की सम्भावना को देखते हुए खडी फसल में किसी भी प्रकार के कृषि रसायन का पर्णीय छिडकाव स्थगित करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	समय पर बोई गई बाजरे की फसल पकाव की ओर अग्रसर है अतः उचित कायिक पकाव पर कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित करे। खेत में कटाई की हुई फसल को ढेर बनाकर प्लास्टिक से ढक कर रखें ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गाय,भैंस, बकरी, भेड इत्यादि को सीधी वर्षा से बचाव के समुचित उपाय करें एवं उनके रहने के स्थल पर पानी इकट्ठा न होने दें तथा बिछावन को सुखा रखें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	आने वाले पांच दिनों में वर्षा की संभावना है। खड़ी फसलों और सब्जियों से अतिरिक्त बारिश के पानी को निकालने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
बारिश के पानी का संग्रहण	किसान भाई जल संचयन टांका या जल संचयन की किसी भी विधि से भविष्य के लिए वर्षा जल को संरक्षित करें।